Eklavya University
Damoh (M.P.)

Bachelor of Arts

(B.A. Semester – I&II)

Hindi

Curriculum

(2023-2024)

Bachelor of Arts - B.A. Hindi Semester I&II

VISION STATEMENT OF EKLAVYA UNIVERSITY

एकलव्य विश्वविद्यालय सीखने के माध्यम से जीवन और समाज के उन्नयन हेतु संकल्पित है।

MISSION STATEMENT OF EKLAVYA UNIVERSITY

- मूल्य आधारित शिक्षा के द्वारा आदर्श जीवन, आजीविका और उद्योग को पोषित करना।
- अनुसंधान और विषय के गूढ़ ज्ञान हेतु शिक्षा को व्यावहारिक बनाना।
- सामाजिक एवं तकनीकी कौशल के माध्यम से छात्रों को रोजगार हेतु तैयार करना।
- पारंपरिक गुरुकुल प्रणाली में निहित ज्ञान की समग्र शिक्षा प्रदान कर छात्रों को उन्नत जीवन एवं रोजगार के लिए तैयार करना।
- अनुसंधान और रचनात्मक परीक्षण के माध्यम से ज्ञान का प्रचार–प्रसार करना।
- शिक्षा; अनुसंधान और नवाचारों में उत्कृष्टता एवं प्रबंधन के लिए प्रतिबद्धता के साथ शिक्षा को प्रत्येक व्यक्ति की पहुँच में लाना।
- छात्रों में व्यवहारिक एवं नैतिक शिक्षा के माध्यम से समस्या समाधान कौशल, सामुदायिक नेतृत्व कौशल एवं सामूहिक सामाजिक सेवा कार्य के लिए प्रतिबद्ध करना।
- समान अवसर एवं रोजगार को दृष्टि में रखकर छात्रों को आर्थिक सशक्तीकरण की ओर अग्रसर करना।
- शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षा और अनुसंधान में उत्कृष्टता के माध्यम से व्यक्ति की जीवन शैली और पद्धति को समुन्नत करना।

VISION STATEMENT OF DEPARTMENT

- शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्टता के द्वारा मानव जीवन को उन्नत करने हेतु समर्पित।

MISSION STATEMENT OF DEPARTMENT

- हिन्दी भाषा की शिक्षा में उत्कृष्टता एवं विविधता में वृद्धि करना।
- हिन्दी के प्राचीन, मध्यकालीन और अन्य ज्ञान स्रोतों को सभी के लिए सुलभ कराना।
- हिन्दी को समयानुकूलन के साथ प्रासंगिक बनाना।

PROGRAMME EDUCATIONAL OBJECTIVES (PEOs)

- हिन्दी विषय में स्नातक (बी.ए.) के उपरान्त छात्रों को हिन्दी साहित्य में विशिष्ट अध्ययन एवं शोध के लिए अवसर प्राप्त होंगे।
- हिन्दी भाषा के विशिष्ट ज्ञान से महत्वपूर्ण एवं तुलनात्मक शोध को प्रोत्साहन मिलेगा।
- हिन्दी भाषा में किया गया अध्ययन एवं स्वयं के द्वारा किये गए शोध – अन्वेषण से स्वयं के बौद्धिक स्तर को राष्ट्रीय – अंतर्राष्ट्रीय और सामाजिक – आध्यात्मिक पटल पर स्थापित कर सकेगा।

PROGRAMME OUTCOMES (POs)

- हिन्दी भाषा में स्नातक (बी.ए.) अध्ययन से छात्रों में समाज, संस्कृति, इतिहास, धर्म, दर्शन, विज्ञान और मानविकी के क्षेत्र में विशिष्ट ज्ञान अर्जित कर सामाजिक एवं मानव समस्याओं के समाधान करने हेतु संवेदनशीलता तथा समझ विकसित होगी।
- हिन्दी भाषा में स्नातक होने से छात्रों में सामाजिक, आर्थिक, ऐतिहासिक, भौगोलिक, राजनैतिक वैचारिक और दार्शनिक परंपरा तथा उनसे संबंधित विषयों की सोच विकसित एवं पल्लवित होगी।
- यह कार्यक्रम छात्रों में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सम्मिलित होने एवं शोध कार्य करने के लिए प्रेरणा प्रदान करेगा।
- हिन्दी भाषा में स्नातक करने के उपरान्त छात्र एम.ए. एम.फिल, पी–एच.डी. आदि उपाधियां प्राप्त कर उस ज्ञान से विशिष्ट मुद्दों का समाधान एवं नवाचार कर सकेगें।
- हिन्दी भाषा में स्नातक अध्ययन से छात्रों में वेद, पुराण, आगम, काव्य, नाट्यशास्त्र, व्याकरण, पाण्डुलिपि–पुरालिपि एवं हिन्दी की सभी विधाओं के साहित्य के पठन–पाठन, सम्भाषण एवं संपादन कला का विकास होगा।

PROGRAMME SPECIFIC OUTCOMES (PSOs)

- हिन्दी भाषा का पर्याप्त ज्ञान अर्जित करना।
- हिन्दी भाषा के साथ अन्य ग्रन्थों को समझना।
- हिन्दी व्याकरण, के साथ वैदिक एवं लौकिक संस्कृत साहित्य का विशिष्ट अध्ययन करना।
- प्राचीन भारतीय दर्शन में शिक्षण और अनुसंधान के लिए दक्षता और कौशल का विकास करना।
- हिन्दी भाषा में सम्भाषण कौशल, ग्रन्थ संपादन कौशल, लेखन–वाचन–श्रवण आदि विधाओं में पारंगत होना।

Course code	Hindi Kavya (Paper –1) Major/Minor	L	T	P	C
23AIHLITIT	हिन्दी काव्य (प्रश्न पत्र 1) मेजर/माईनर	06	0	0	06
Pre-requisite	Nil	Syllabus version			
	90 Hours	60			

Semester – I

Level - 05

Course Objectives: (CO)

1. विषय की समग्र और व्यापक जानकारी प्रदान करना।
2. इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी हिन्दी काव्य की सुदीर्घ परम्परा से परिचित होंगे।
3. प्रसिद्ध रचनाओं के अध्ययन से देश की सामाजिक सांस्कृतिक एवं राष्ट्रीय पृष्ठभूमि से सुविज्ञ होंगे।
4. विद्यार्थीयों के व्यक्तित्व का विकास होगा उनकी जीवन दृष्टि का विस्तार होगा जिससे वह जीवन एवं जीवन मूल्यों को समझने में सक्षम होंगे।

Course Learning Outcome: (CLO)

1. हिन्दी भाषा की विशेषताओं का ज्ञान करना।
2. छात्रों को प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण की प्रेरणा मिलेगी।
3. रचनात्मक कौशल में दक्षता होगी जिससे उन्हें रोजगार की अनेक संभावनायें मिलेगी।

Student Learning Outcomes (SLO):

1. छात्र के काव्यात्मक एवं साहित्यिक विकास में सहयोगी सिद्ध होगा।
2. छंद निर्माण व प्रयोग का ज्ञान होगा।
3. छात्रों में भाषा कौशल एवं अनुकूलन की सोच विकसित होगी।

Unit – 1 हिन्दी साहित्य के इतिहास की पृष्ठभूमि — **15**

भारतीय ज्ञान परंपरा के अन्तर्गत हिन्दी साहित्य के इतिहास की पृष्ठभूमि एवं प्रमुख कवि

1. हिन्दी साहित्य के इतिहास की पृष्ठभूमि –
   - 1.1. काल विभाजन एवं नामकरण
   - 1.2. आदिकाल की सामाजिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
   - 1.3. आदिकालीन काव्य धाराएँ एवं प्रवृत्तियाँ
   - 1.4. आदिकालीन कवि
2. प्रमुख कवि –
   - 2.1. गोरखनाथ (व्याख्या एवं समीक्षा)
     - गोरखनाथ सवदी – पद सं. 2, 4, 7, 8, 16
     - राग रामग्री पद 10, 11
   - 2.2. चंदबरदाई (व्याख्या एवं समीक्षा)
     - पृथ्वीराज रासो –
     - कनवज्जा समय – कवित 144, 145, 146
   - 2.3. विद्यापति (व्याख्या एवं समीक्षा) –
     - पदावली – पद सं. 1, 49, 54, 55, 58

Unit – 2 भक्तिकाल एवं प्रमुख कवि	15

1. भक्तिकाल एवं प्रमुख कवि
   - 1.1. भक्ति आंदोलनः सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
   - 1.2 काव्य धाराएँ एवं प्रवृत्तियाँ ।
   - 1.3. प्रमुख निर्गुण एवं सगुण कवि, भक्ति काल की प्रवृत्तियाँ
2. प्रमुख कवि – निर्गुण मार्गी
   - 2.1. कबीरदास (व्याख्या एवं समीक्षा)

   साखी– गुरुदेव को अंग – 1,5,7,11,13

   विरह को अंग – 4,10,12,20,23

   पद –
   - दुलहनीं गावहु मंगलचार
   - पंडित वाद बदंते झूठा
   - लोका मति के भोरा रे
   - बोलौ भाई रास की दुहाई

   2.2. मलिक मुहम्मद जायसी (व्याख्या एवं समीक्षा)

   मनसरोदक खण्ड– पदम 1 से 3
3. प्रमुखकवि – सगुणमार्गी
   - 3.1. सूरदास (व्याख्या एवं समीक्षा)

   पद सं. 21,23,25,85
   - 3.2. गोस्वामी तुलसीदास (व्याख्या एवं समीक्षा)

अयोध्याकाण्ड –

मागी माव न केवटु आना । कहड् तुम्हार मरमु मैं जाना।।

से

बिदा कीन्ह करुनायतन भगति विमल बरु देह । (102) दोहा तक

Unit – 3 रीतिकाल की पृष्ठभूमि एवं प्रमुख कवि	15

1. रीतिकाल की पृष्ठभूमि एवं प्रमुख कवि
   - 1.1. रीतिकाल की सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
   - 1.2. रीतिकालीन साहित्य के प्रमुख भेद – रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त
   - 1.3. रीतिकाल की प्रवृत्तियाँ
2. प्रमुख कवि
   - 2.1. बिहारी (व्याख्या एवं समीक्षा)

   दोहा क्र. 1,16,18,20,21,25,27,28,37,46
   - 2.2. भूषण (व्याख्या एवं समीक्षा)

   शिवा बावनी पद सं. 4,25,26

   छत्रसाल दशक पद सं. 1,7

Unit – 4 आधुनिक काल की पृष्ठभूमि एवं प्रमुख कवि	15

1.1. आधुनिक काल की सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, पुनर्जागरण काल, हिन्दी नवजागरण काल एवं प्रवृत्तियाँ

1.2. भारतेन्दु युगीन साहित्य एवं प्रवृत्तियाँ
1.3. द्विवेदी युगीन साहित्य एवं प्रवृत्तियाँ
1.4. छायावाद युगीन साहित्य एवं प्रवृत्तियाँ

2. प्रमुख कवि

2.1. भारतेन्दु हरिशचन्द्र (व्याख्या एवं समीक्षा)
हिन्दी भाषा – निज भाषा उन्नति अहे, सब उन्नति को मूल (10 दोहे)

2.2. अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' (व्याख्या एवं समीक्षा)
काव्य – एक बूंद मीठी बोली

2.3. जयशंकर प्रसाद (व्याख्या एवं समीक्षा)
कामायनी के श्रद्धा सर्ग से– "प्रकृति के यौवन का श्रृंगार करेंगे कभी न बासी फूल..... से खिंची आवेगी सकल समृद्धि" तक का अंश

2.4. सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' (व्याख्या एवं समीक्षा)
जगो फिर एक बार : भाग 2, वह तोइती पत्थर

2.5. महादेवी वर्मा (व्याख्या एवं समीक्षा)
मैं नीर भरी दुख की बदली
वीन भी हूँ मैं तुम्हारी, रागिनी भी हूँ

2.6. आधुनिक जैन हिंदी साहित्य का सामान्य परिचय

Unit – 5 छायावादोत्तर काव्य धाराएँ एवं प्रमुख कवि	15
1. छायावादोत्तर काव्य धाराएँ एवं प्रमुख कवि 1.1. उत्तर छायावाद की विविध वैचारिक प्रवृत्तियाँ 1.2. प्रगतिवाद साहित्य एवं प्रवृत्तियाँ 1.3. प्रयोगवाद साहित्य एवं प्रवृत्तियाँ 1.4. नईकविता, समकालीन कविता, प्रमुख प्रवृत्तियाँ 2. प्रमुख कवि 2.1. अज्ञेय (व्याख्या एवं समीक्षा) नदी के द्वीप, यह दीप अकेला 2.2. गजानन माधव 'मुक्तिबोध (व्याख्या एवं समीक्षा) मैं तुम लोगों से दूर हूँ भूल गलती 2.3. नागार्जुन (व्याख्या एवं समीक्षा) अकाल और उसके बाद, बादल को घिरते देखा है 2.4. धूमिल (व्याख्या एवं समीक्षा) रोटी और संसद बीस साल बाद 3. अभ्यास 3.1. काव्यपाठ (सस्वर) 3.2. सुलेखन 3.3. शुद्ध वाचन	

सार बिंदु (की वर्ड) / टैग: वेद,संज्ञा,सन्धि,कारक,अनुवाद,अव्यय,सम्भाषण।		
# Mode: Flipped Class Room, Case Discussion, Lectures		

Text Book(s) / Reference Books

1. "गोरखवानी" सं. बडथ्वाल, पीतांबरदत्त, प्रकाशन हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग
2. "विद्यापति पदावली" दीक्षित, आनंद प्रकाश साहित्य मंदिर प्रकाशन ग्वालियर
3. "कबीर ग्रंथावली" सं. दास, श्यामसुन्दर नागरी प्रवारणी सभा वाराणसी
4. "जायसी ग्रन्थावली"शुक्ल आचार्य रामचन्द्र नागरी प्रधारणी सभा वाराणसी
5. "भ्रमणगीत सार"शुक्ल आचार्य रामचन्द्र लोक भारती प्रकाशन इलाहाबाद
6. "श्रीरामचरितमानस" गोस्वामी तुलसीदास गीता प्रेस गोरखपुर
7. "बिहारी रत्नाकर" रत्नाकर जगन्नाथदास रत्नाकर पब्लिकेशन वाराणसी
8. "भूषण ग्रंथावली" मिश्र विश्वनाथ प्रसाद साहित्य सेवक कार्यालय काशी
9. "भारतेन्दु समग्र"शर्मा हेमंत हिन्दी प्रचारक संस्था वाराणसी
10. "अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध रचनावली"शाही सदानन्द वाणी प्रकाशन नई दिल्ली
11. "कामायनी" प्रसाद जयशंकर लोक भारती प्रकाशन इलाहाबाद
12. "राग–विराग"शर्मा, रामविलास लोक भारती प्रकाशन इलाहाबाद
13. "परिक्रमा" वर्मा, महादेवी साहित्य भवन प्रा.लि. इलाहाबाद
14. "अज्ञेय रचनावली" पालिवाल कृष्णदत्त भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन नई दिल्ली
15. "चाँद का मुँह टेढ़ा है" मुक्तिबोध गजानन माधव राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
16. "प्रतिनिधि कविताएँ नागार्जुन" सिंह नामवर राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
17. "संक्षिप्त पृथ्वीराज रासो" संपादक द्विवेदी हजारी प्रसाद काशी विश्वविद्यालय, बनारस प्रथम संस्करण 1952 ई.

संदर्भ ग्रन्थ –

1. "हिंदी साहित्य का इतिहास" डॉ. नगेंद्र (संपा) नेशनल पब्लिशिंग हाउस नई दिल्ली, 1976
2. "हिंदी साहित्य का इतिहास",शुक्ल, रामचंद्र लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद 2019
3. "हिंदी गद्य का इतिहास" तिवारी, रामचंद विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी 1992
4. "हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास" चतुर्वेदी रामस्वरुप लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद 2019
5. "आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तिया" सिंह नामवर राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली 2011
6. "छायावादोत्तर काव्य प्रतिनिधि रचनाएँ" ओझा डॉ. दुर्गा प्रसाद एवं राय डॉ. अनिल, प्रकाशन केंद्र लखनऊ
7. "आधुनिक हिंदी कविता" ओझा डॉ. दुर्गाप्रसाद प्रकाशन केंद्र लखनऊ 2011
8. "हिन्दी साहित्य का आदिकाल" द्विवेदी हजारीप्रसाद बिहार राष्ट्र भाषा परिषद, पटना, 1961 तृतीय सं.
9. "प्राचीन हिन्दी काव्य" भटनागर, डॉ. रामरतन इंडियन प्रेस लिमिटेड प्रयाग 1952
10. "हिन्दी साहित्य की भूमिका" द्विवेदी हजारीप्रसाद हिन्दी ग्रन्थ रत्नाकर कार्यालय मुम्बई, 1940
11. "विद्यापति एक अध्ययन" श्रीवास्तव , डॉ. रणधीर, भारतीय ग्रन्थ निकेतन नई दिल्ली 1991
12. "विद्यापति" सिंह, डॉ. शिवप्रसाद हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय वाराणसी, 1957

13."संत कबीर साहित्य" वर्मा, रामकुमार भवन लिमिटेड इलाहाबाद 1943
14."कबीर" द्विवेदी हजारी प्रसाद हिन्दी ग्रन्थ रत्नाकर कार्यालय मुम्बई 1946
15."कबीर का रहस्यवाद" वर्मा रामकुमार साहित्य भवन, इलाहाबाद 1941
16."जायसी : व्यतिव एवं कृतित्व" वर्मा, रामलाल, भारतीय ग्रन्थ निकेतन दिल्ली 1979
17."मलिक मोहम्मद जायसी और उनका काव्य" पाठक शिवसहाय, साहित्य भवन, इलाहाबाद
18."सूरदास का काव्य वैभव" शर्मा मुंशीराम ग्रन्थम प्रकाशन कानपुर 1965
19."सूर और उनका भ्रमणगीत" किशोरीलाल अभिव्यक्ति प्रकाशन इलाहाबाद 1993
20."सूरसंदर्भ" वाजपेयी नन्ददुलारे इंडियन प्रेस लिमिटेड प्रयाग
21."तुलसीदास और उनकी कविता (भाग –1)" त्रिपाठी रामनरेश हिन्दीमंदिर प्रयाग 1937
22."तुलसीदास और उनका युग" दीक्षित राजपति ज्ञानमंडल लिमिटेड वाराणसी 1953
23."कबीर की विचारधारा" त्रिगुणायन, गोविन्द साहित्य निकेतन कानपुर
24."सूर का भ्रमणगीत एक अन्वेषण" उपाध्याय विशम्भर नाथ विनोद पुस्तक मन्दिर आगरा
25."कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ" डॉ. नगेन्द्र नेशनल पब्लिशिंग हाउस नई दिल्ली
26."निराला की साहित्य साधना भाग–2"शर्मा रामविलास राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
27."आधुनिक कवियों की काव्य साधनां भाग–2" गौड राजेंद्र सिंह राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
28."हिन्दी के आधुनिक प्रपिनिधि कवि" सक्सेना द्वारिका प्रसाद विनोद पुस्तक मन्दिर आगरा
29."छायावाद का सौन्दर्य–शास्त्रीय अध्ययन" कुमार विमल राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली 1970
30."समकालीन हिन्दी कविता" तिवारी, विश्वनाथ प्रसाद राधाकृष्ण प्रकाशन नई दिल्ली
31."अज्ञेय का रचनासंसार" चतुर्वेदी रामस्वरूप, राधाकृष्ण प्रकाशन नई दिल्ली
32."नागार्जुन का रचनासंसार" सिंह, विजयबहादुर सम्भावना प्रकाशन, हापुड़ 1982
33."कटघरे का कवि धूमिल" अष्टेकर पंचशील प्रकाशन जयपुर
34."मुक्तिबोध" नवल, नंदकिशोर साहित्य अकादमी नई दिल्ली
35."आत्म संघर्ष की कविता मुक्ति बोध" त्रिपाठी डॉ. हंसराज मानस प्रकाशन प्रतापगढ़
36."छायावादयुग" सिंह, शम्भूनाथ सरस्वती मन्दिर प्रकाशन वाराणसी 1962
37."दूसरा सप्तक" अज्ञेय प्रगति प्रकाशन नई दिल्ली प्रतीक प्रकाशन माला, 1951
38."प्राचीन हिन्दी काव्य" बिसारिया डॉ. पुनीत श्रीनटराज प्रकाशन दिल्ली 2007
39."नाथपंथ और गोरखवानी" सिंह, डॉ. उदयप्रताप आर्यावर्त संस्कृति संस्थान, दिल्ली 2011

भाग द – अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियाँ: लिखित परीक्षा, सतत आन्तरिक मूल्याकन, साक्षात्कार विधि, वाग्यवहार विधि, वस्तुनिष्ट प्रश्न, लघुउत्तरीय प्रश्न निर्माण अधिकतम अक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक: 40

विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 60

आंतरिक मूल्यांकन: सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) : 40	क्लास टेस्ट असाइमेंट / क्विज / सेमीनार /प्रस्तुतीकरण / (प्रेजेंटेशन)	20 20 कुल अंक: 40	
आकलन: विश्वविद्यालयीन परीक्षा : समय– 03.00 घंटे	अनुभाग(अ): पांच अति लघु प्रश्न अनुभाग(ब): पांच लघु प्रश्न अनुभाग(स): चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	01 X 05 = 05 03 X 05 = 15 10 X 04 = 40 कुल अंक 60	
कोई टिप्पणी / सुझाव :			

Course code	karyaline Hindi evam Bhasha Computing Paper- II Major/Minor	L	T	P	C
23AIHLIT2T	कार्यालयीन हिंदी एवं भाषा कम्प्यूटिंग (प्रश्न पत्र 2) मेजर / माईनर	06	0	0	06
Pre-requisite	Nil	Syllabus version			
	90 Hours	60			

Semester – II

Level - 05

Course Objectives: (CO)

- विषय की व्यापक जानकारी प्रदान करना।
- इस कोर्स के माध्यम से विद्यार्थी कार्यालय के कार्यों की मूलभूत जानकारी एवं कार्यशैली से परिचित हो सकेंगे। जिससे वे कार्यालयीन कार्य करने में सक्षम होंगे।
- नई तकनीकी के माध्यम से ज्ञान विज्ञान के क्षेत्र में विशेषज्ञता प्राप्त कर सकेंगे।
- छात्रों में हिंदी साहित्य के प्रति रुचि जाग्रत करना।
- हिंदी भाषा के अभ्यास की प्रवृत्ति को विकसित करना।
- आर्षकाव्य एवं लौकिक काव्य की जानकारी प्रदान करना।
- नैतिक मूल्यों के विकास में सहायक होगा।

Course Learning Outcome: (CLO)

- हिन्दी भाषा की क्षमताओं एवं विशेषताओं का ज्ञान करना।
- हिन्दी भाषा दक्षता और उसकी सूक्ष्मता का ज्ञान प्रदान करना।

Student Learning Outcomes (SLO):

- छात्रों में भाषा कौशल का विकास होना।
- छात्रों में अनुकूलन की सोच विकसित होना।
- भाषा के अभ्यास के लिए नूतन तकनीक, कौशल विधियों एवं प्रयोगों का विकास होना।
- भाषा एवं विषयगत समस्याओं का निदान करने की क्षमता का विकास होना।
- भाषा में कुशलता एवं दक्षता को विकसित करना।
- भाषा कम्प्यूटिंग में दक्षता होगी तथा रोजगार प्राप्ति के अवसर मिलेंगे।

Unit – 1 कार्यालयीन हिन्दी का स्वरूप, उद्देश्य एवं क्षेत्रः — **15**

1.1. कार्यालयीन हिन्दी का स्वरूप एवं उद्देश्य

1.2. कार्यालयीन हिन्दी तथा सामान्य हिन्दी का संबंध एवं अंतर

1.3. कार्यालयीन कार्यकलाप की सामान्य जानकारी

1.4. हिन्दी के प्रयोजनमूलक संदर्भ :

कार्यालयीन, साहित्यिक, वाणिज्यिक, वैज्ञानिक, तकनीकी, विधिक एवं कानूनी, जनसंचार माध्यम आदि।

राजभाषा हिन्दी की संवैधानिक स्थिति एवं प्रमुख प्रावधान।

Unit – 2 हिन्दी के शब्द संसाधन (कम्प्यूटर टंकण) — **15**

1.1. हिन्दी में उपलब्ध सॉफ्टवेयर एवं विभिन्न की–बोर्ड, देवनागरी लिपि के विविध फोण्टस, यूनीकोड, हिन्दी स्लाइड, पी.पी.टी., पोस्टर निर्माण, स्पीच टू टेक्स्ट एवं टेक्स्ट टू स्पीच, हिंदी शार्ट हैण्ड का परिचय।

1.2. हिन्दी से संबंधित वेबसाईट, ई मेल, इंटरनेट पर उपलब्ध पत्र–पत्रिकायें, दृश्य श्रव्य सामग्री, ई पुस्तकालय, सरकारी तथा गैर सरकारी चैनल, आभासी कक्षाएं	
Unit – 3 कार्यालयीन हिन्दी में प्रयुक्त पारिभाषिक शब्दावली	**15**
1.1. शब्दावली निर्माण के सिद्धांत 1.2. कार्यालयीन हिन्दी की पारिभाषिक शब्दावली प्रशासनिक, विधि संबंधी एवं वाणिज्यिक पारिभाषिक शब्दावली 1.3. पदनाम एवं अनुभाग	
Unit – 4 कार्यालयीन हिन्दी पत्राचारः	**15**
1.1. आवेदन पत्र 1.2. शासकीय एवं अर्द्धशासकीय पत्र 1.3. कार्यालयीन आदेश 1.4. परिपत्र 1.5. अधिसूचना 1.6. कार्यालयीन ज्ञापन 1.7. विज्ञापन 1.8. निविदा 1.9. संकल्प 1.10. प्रेस विज्ञप्ति एवं अन्य कार्यालयीन पत्र 2. प्रारूपण, टिप्पण, संक्षेपण,पल्लवन, प्रतिवेदन एवं हिंदी का मानकीकरण 2.1. प्रारूपण का अर्थ, सामान्य परिचय, प्रारूपण लेखन की पद्धति 2.2. टिप्पण का अर्थ, सामान्य परिचय, टिप्पण लेखन की पद्धति, टिप्पण और टिप्पणी में अंतर 2.3. संक्षेपण का अर्थ एवं संक्षेपण–पद्धति, पल्लवन का अर्थ, पल्लवन के सिद्धांत, पल्लवन और निबंध लेखन में अंतर 2.4. प्रतिवेदन का अर्थ, सामान्य परिचय एवं प्रयोग	
Unit – 5 कम्प्यूटर एवं इंटरनेट में हिंदी भाषा एवं देवनागरी लिपि के अनुप्रयोग	**15**
1.1. कम्प्यूटर में हिंदी भाषा के विकास का इतिहास 1.2. हिंदी का मानवीकृत रूप 1.3. ब्लॉगिंग एवं सोशल मीडिया पर हिन्दी लेखन कौशल, फेसबुक, यूट्यूब एवं अन्य प्लेटफॉर्म 1.4. ई–गर्वनेंस 1.5. विराम चिह्न, अशुद्धि–संशोधन एवं प्रूफ–शोधन 1.6. व्यावहारिक अभ्यास – विभिन्न प्रकार के कार्यालयीन पत्र, ब्लॉगिंग, पोस्टर, ईमेल एवं अन्य	

# Mode: Flipped Class Room, Case Discussion, Lectures		

Text Book(s) / Reference Books

1. ''कार्यालय कार्य–विधि'', सागर, रामचंद्र सिंह, आत्माराम एंड संस, नई दिल्ली 1963
2. ''कार्यालयीन हिन्दी की प्रकृति'',शर्मा, चंद्रपाल, समता प्रकाशन, दिल्ली 1991
3. ''प्रज्ञा पाठमाला'', राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली
4. ''प्रयोजनमूलक हिन्दी '' गोदरे, डॉ. विनोद, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2009
5. ''प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धांत और प्रयोग'', झाल्टे दंगल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली,2016, पंचम संस्करण
6. ''प्रयोजनमूलक हिन्दीः प्रयुक्ति और अनुवाद'', सोनटक्के, डॉ. माधव, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
7. ''प्रयोजनमूलक हिन्दी : प्रक्रिया और स्वरूप'' भाटिया, कैलाशचन्द्र, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली 2055
8. ''प्रयोजनमूलक कामकाजी हिन्दी एवं कम्प्यूटिंग'', जैन, डॉ. संजीव कुमार सं., कैलाश पुस्तक सदन, भोपाल
9. ''कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग'', मल्होत्रा, विजयकुमार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
10. ''हिन्दी भाषा और कम्प्यूटर'', गोयल, संतोष, श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली
11. ''आधुनिक जनसंचार और हिन्दी'', हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
12. ''कम्प्यूटर और हिन्दी'', हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
13. ''नए समय का संवाद : सोशल नेटवर्किंग'', द्विवेदी, संजय नेहा, पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, नई दिल्ली
14. ''नए जमाने की पत्रकारिता, विजडम विलेज''शुक्ल, सौरभ, पब्लिकेशन्स, दिल्ली
15. ''इन्टरनेट पत्रकारिता'', कुमार, सुरेश, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
16. ''कम्प्यूटर का इतिहास और कार्यविधि'', श्रीवास्तव, गोपीनाथ, सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली
17. ''इलेक्ट्रानिक पत्रकारिता, सिहं, अजय कुमार, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद 2014

भाग द – अनुशंसित मूल्यांकन विधिया

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियाँः लिखित परीक्षा, सतत आन्तरिक मूल्यांकन, साक्षात्कार विधि, वाग्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न

लघुउत्तरीय प्रश्न निर्माण

अधिकतम अंक : 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंकः 40

विश्वविद्यालय परीक्षा (UE) अंक : 60

आंतरिक मूल्यांकन : सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE): 40	क्लास टेस्ट असाइमेंट / क्विज / सेमीनार /प्रस्तुतीकरण / (प्रेजेंटेशन)	20 20 कुल अंक 40
	असाइनमेंट / प्रस्तुतीकरण	
आकलनः विश्वविद्यालयीन परीक्षा : समय– 03.00 घंटे	अनुभाग(अ): पांच अति लघु प्रश्न अनुभाग(ब): पांच लघु प्रश्न अनुभाग(स): चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	01 X 05 = 05 03 X 05 = 15 10 X 04 = 40 कुल अंक 60
कोई टिप्पणी / सुझाव		